पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने स्व0 सुरेश राव केतकर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊः 17 जुलाई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज माधव सभागार निराला नगर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक एवं पूर्व सह सरकार्यवाह स्व0 सुरेश राव केतकर के निधन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अपनी आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं मंत्री श्री लालजी टण्डन सहित अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि स्व0 सुरेश राव केतकर जी की कार्यशैली अद्भुत थी तथा उनकी स्मरण शक्ति भी कमाल की थी। उन्होंने महाराष्ट्र के पिछड़े क्षेत्र के गाँवों में काम करने के लिए लोगों को जोड़ा तथा उन्हें प्रोत्साहित करने का काम कुशलता से किया। राज्यपाल ने कहा कि स्व0 केतकर जी को विशेषज्ञता और सफलता के साथ काम करने में कुशलता हासिल थी।

श्री नाईक ने स्व0 सुरेश राव केतकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्व0 सुरेश राव केतकर जैसा व्यक्तित्व बहुत मुश्किल से मिलता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में भी बहुत काम किया है। वे पूरे समन्वय और अनुशासन के साथ नियोजित ढंग से कार्य करते थे। उनका कार्य करने का उत्साह प्रेरणा योग्य है। उन्होंने कहा कि स्व0 केतकर जी जिस भूमिका में समाज और राष्ट्र का काम करते थे उसे आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

राज्यपाल ने कहा कि समाचार पत्र के माध्यम से उनके निधन की सूचना मिली। जीवन का लम्बा समय उनके साथ बीता है। 1950 में मैं कामर्स का छात्र था और स्व0 सुरेश जी विज्ञान के छात्र। वे शिवाजी मंदिर के मुख्य शिक्षक थे तथा मैं पुणे मण्डल-एक की वैदिक आश्रम शाखा का मुख्य शिक्षक था। हम दोनों की उम्र लगभग बराबर थी। शारीरिक शिक्षण में वे निपुण थे। वे सांगली जिला के प्रचारक थे, जहाँ मेरा जन्म हुआ था और भौगोलिक दृष्टि से सांगली जिले को सूखाग्रस्त माना जाता था लेकिन उन्होंने ऐसे क्षेत्र में भी कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्व0 केतकर की विशेष कार्यशैली थी।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री लालजी टण्डन, श्री दत्ता जी सहित अन्य लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अपने विचार रखें। श्रद्धांजलि सभा में गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित अन्य लोगों के भी शोक संदेश पढे गये।

अंजुम/ललित/राजभवन (250/20)